



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

23 फाल्गुन 1935 (श0)
(सं0 पटना 306) पटना, शुक्रवार, 14 मार्च 2014

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना

10 जनवरी 2014

सं0 1899—कैमूर जिलान्तर्गत श्री राम-लक्ष्मण-जानकी मंदिर, ग्राम— सुरहां, पो0— अमांव, अंचल— चैनपुर एक सार्वजनिक हिन्दु धार्मिक न्यास है।

इस न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास हेतु जिला गजट सं0—32, दिनांक 07/10/02 में अधिनियम की धारा—32 के तहत अनुमंडल पदाधिकारी, भभुआ की अध्यक्षता में सात व्यक्तियों एक समिति गठित की गयी, जो अगले आदेश तक कार्यरत रहनी थी। पर्षदीय पत्रांक— 56—58, दिनांक 07/04/04 के द्वारा पर्षद की बैठक दिनांक 21/02/04 के प्रस्ताव सं0— 2 में लिये गये निर्णय के आलोक में धारा— 32 के अधीन समिति को पुनर्गठित करने का निर्णय लिया गया। पर्षदीय पत्रांक—557, दिनांक 26/06/2013 द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, भभुआ से नवीन न्यास समिति के गठन हेतु स्थानीय स्वच्छ छवि के ग्यारह व्यक्तियों की, जिनकी कोई आपराधिक छवि न हों एवं जो समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हों तथा न्यास से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लाभान्वित न हों, उनके पदनाम सहित एक प्रतिवेदन की मांग की गयी थी। पर्षदीय पत्रांक—558, दिनांक 26/06/13 द्वारा न्यास समिति से स्पष्टीकरण की मांग गयी थी। न्यास समिति के सचिव—श्री गुलाब बिन्द, श्री शिव परीक्षण बिन्द एवं श्री राम गहन राम ने अपना स्पष्टीकरण दिया। श्री परशुराम राम को स्पष्टीकरण हेतु प्रेषित पत्र का लिफाफा (प्राप्तकर्ता की मृत्यु को चुकी है अतः वापस) की टिप्पणी के साथ वापस कार्यालय को प्राप्त हुआ। न्यास समिति का स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाते हुए, न्यास समिति को अधिनियम की धारा— 29 (2) के तहत भंग किया जाता है। तत्पश्चात् पर्षदीय पत्रांक—557, दिनांक 26/06/2013 के अनुपालन में अनुमंडल पदाधिकारी, भभुआ का प्रतिवेदन पत्रांक—03/भू0रा0, दिनांक 24/08/13 के माध्यम से ग्यारह व्यक्तियों की सूची उनके पदनाम सहित न्यास समिति के गठन हेतु प्राप्त हुआ।

अतः न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास के लिए बिहार राज्य धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा— 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 के अन्तर्गत में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उप—विधि सं0— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री राम—लक्ष्मण—जानकी मंदिर, ग्राम— सुरहां, पो0— अमांव, अंचल— चैनपुर, जिला— कैमूर के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम-लक्ष्मण-जानकी मंदिर न्यास योजना, ग्राम- सुरहां, पो0- अमांव, अंचल- चैनपुर, जिला- कैमूर” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम-लक्ष्मण-जानकी मंदिर न्यास समिति, ग्राम-सुरहां, पो0- अमांव, अंचल-चैनपुर, जिला-कैमूर” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्तियों की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ, तीर्थ-यात्री एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के बजट, आय-व्यय की विवरणी, अंकक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा, तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।

8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे, तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

अनुमण्डल पदाधिकारी, भभुआ द्वारा ग्यारह सदस्यों की प्रस्तावित समिति को अनुमोदित करते हुए, पर्षद द्वारा निरूपित इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक न्यास समिति गठित की जाती है:-

(1) अनुमण्डल पदाधिकारी, भभुआ	—	अध्यक्ष
(2) श्रीमती उषा देवी	—	सचिव
(3) श्री अमरजीत बिंद	—	सदस्य-सह-प्रबंधक
(4) श्री वंशारोपन बिंद	—	कोषाध्यक्ष
(5) श्री जगदीश सिंह	—	सदस्य
(6) श्री रामाकांत सिंह	—	“
(7) श्री प्यारे लाल	—	“
(8) श्री प्रकाश राम	—	“
(9) श्री शंकर राम	—	“
(10) श्री बचाउ राम	—	“
(11) श्री नागेन्द्र कुमार	—	“

सभी निवासी- ग्राम- सुरहां, पो0- चौखरा, अंचल+थाना- चांद, जिला- कैमूर।

(12) उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्यकाल दिनांक 01/02/2014 से अगले 05 वर्षों की होगी, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर न्यास समिति के विस्तार पर यथोचित निर्णय लिया जा सकेगा।

विश्वासभाजन,
किशोर कुणाल,
अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 306-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>